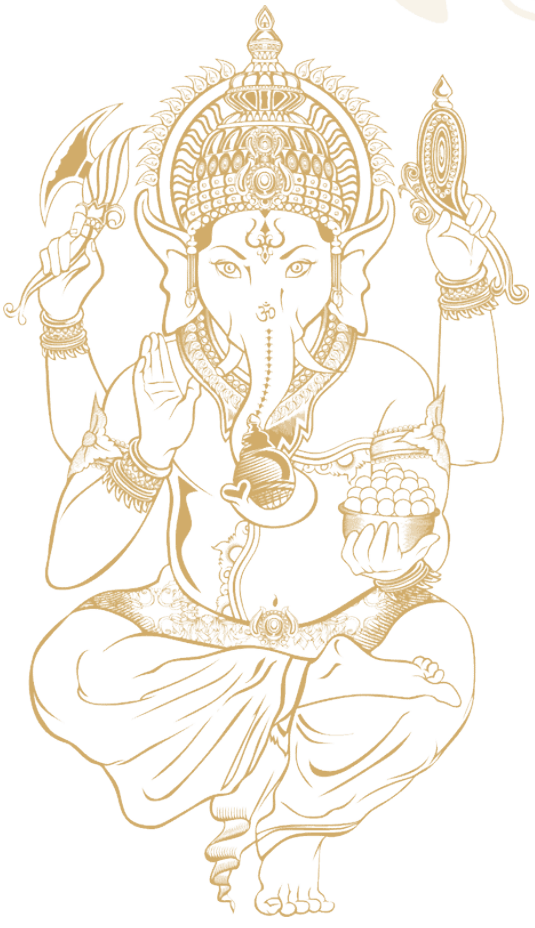

Kaushal Sharma

Purnima

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121457202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/12/1995	जन्म तिथि	29/08/1998
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 20:05:00	जन्म समय	17:53:00 घंटे
घटी 32:30:20	जन्म समय(घटी)	29:30:37 घटी
India	देश	India
Chomun	स्थान	Jaipur Rly Station
27:09:00 उत्तर	अक्षांश	26:54:00 उत्तर
75:44:00 पूर्व	रेखांश	75:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:04:51	सूर्योदय	06:04:42
17:33:32	सूर्यास्त	18:50:25
23:48:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:10

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 10मा 4दि	28:28:38	मिथु	लग्न	मक	24:51:23	शनि 17वर्ष 5मा 27दि
शनि	23:14:16	वृश्चि	सूर्य	सिंह	12:07:56	बुध
14/10/2010	20:57:40	मिथु	चंद्र	वृश्चि	04:23:33	25/02/2016
14/10/2029	13:03:55	धनु	मंगल	कर्क	11:45:24	24/02/2033
शनि 17/10/2013	02:16:38	धनु	बुध	कर्क	24:10:30	बुध 23/07/2018
बुध 26/06/2016	00:34:37	धनु	गुरु व	मीन	01:28:32	केतु 21/07/2019
केतु 05/08/2017	21:09:01	धनु	शुक्र	कर्क	25:56:12	शुक्र 21/05/2022
शुक्र 04/10/2020	24:28:30	कुंभ	शनि व	मेष	09:37:39	सूर्य 27/03/2023
सूर्य 16/09/2021	01:18:52	तुला व	राहु व	सिंह	07:36:38	चन्द्र 25/08/2024
चन्द्र 18/04/2023	01:18:52	मेष व	केतु व	कुंभ	07:36:38	मंगल 23/08/2025
मंगल 27/05/2024	04:22:20	मक	हर्ष व	मक	15:55:55	राहु 11/03/2028
राहु 03/04/2027	00:05:57	मक	नेप व	मक	06:01:23	गुरु 17/06/2030
गुरु 14/10/2029	07:20:08	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:30:32	शनि 24/02/2033

लग्न-चलित

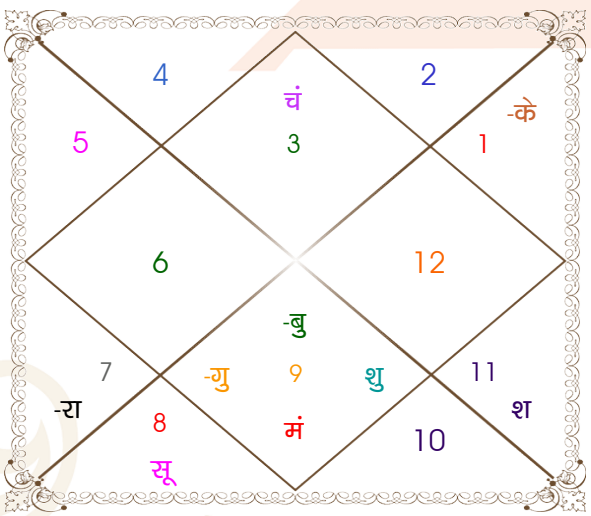

लग्न-चलित

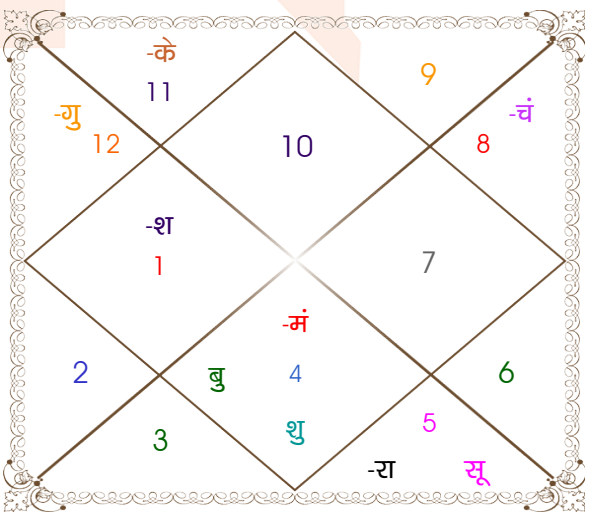

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

झंर्नोंसौंतउं का वर्ग मार्जार है तथा च्नतदपउं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंर्नोंसौंतउं और च्नतदपउं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

झंर्नोंसौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु झंर्नोंसौंतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्नतदपउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्नतदपउं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल च्नतदपउं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि च्नतदपउं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

झंर्नीसँ ीतउं तथा च्नतदपउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।